1. On the way to shrines at least two or three inns may be constructed which would cater for providing drinking water, tea, etc. as well as some food items.

2. Well-maintained tourists lodge may be constructed near the temple which would also provide necessary food items and blankets, etc., to devotees.

3. The temple should be maintained properly undertaking necessary repairs, etc.

4. Necessary police arrangements may be made to avoid any law and order problem on the way and around the shrines. y†

(iii) NON-AVAILABILITY OF KEROSENE OIL IN GORAKHPUR AND OTHER DISTRICTS IN EAST UTTAR PRADESH

श्री हरिकेश बहादुर (गोरखपुर) : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, गोरखपुर तथा पूर्वी उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों में मिट्टी के तेल के भीषण अभाव के कारण जनता त्रस्त हो गयी है । गत कई महीनों से अधिसंख्य लोगों को मिट्टी का तेल नहीं मिल पा रहा है जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों में जनता के सामने घोर संकट उत्पन्न हो गया है । सरकार की लापरवाही, लोगों की कठिनाई को दिन-प्रति-दिन बढ़ा रही है । वितरण व्यवस्था के दूषित होने के कारण भ्रष्टाचार बढ़ता जा रहा है, फलस्वरूप जनता अभाव की चक्की में पिस रही है । ऐसी परिस्थिति में मैं भारत सरकार से मांग करता हूं कि लोगों को मिट्टी का तेल उपलब्ध कराने के लिए शीघ्र कारगर एवं ठोस कदम उठाये जायें तथा वितरण व्यस्वथा में व्याप्त भ्रष्टाचार को मिटाने के लिये कठोर कार्यवाही की जाये ताकि जनता को सरलता से मिट्टी का तेल उपलब्ध हो सके ।

(iv) TRANSLATION IN VARIOUS LANGUAGES OF THE GREAT WORKS OF THE POET SHRI SUBRAMANIAM BHARATI.

श्री बी० डी० सिंह (फुलपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, इस प्रयास की नितान्त आवश्यकता है, जिसके द्वारा देश की विभिन्न भाषाओं में जो श्रेष्ठ रचनायें हैं, उनका अन्य भाषाओं में अनुवाद हो और यह प्रयास सरकार की ओर से होना चाहिये । इतना ही नहीं, विश्व की महान रचनाओं, जो मानव मूल्यों एवं नैतिक चेतनाओं के आधार हैं, का देश की विभिन्न भाषाओं में अनुवाद होना चाहिये । मुंशी प्रेम चन्द की रचनायें रूस जैसे देश में बड़े चाव से पढ़ी जाती हैं । देश की अनेक श्रेष्ठ रचनाओं का विश्व की तमाम भाषाओं में अनुवाद किया गया है और लोग उनसे लाभान्वित हो रहे हैं ।

श्री सुब्रह्मण्यम भारती, देश के एक महान कवि, देशभक्त एवं समाज सुधारक रहे हैं । वे 39 वर्ष की अल्पायु में ही 1921 में स्वर्गवासी हो गये थे । गत 11 दिसम्बर से उनका जन्म शताब्दी समारोह मनाया जा रहा है । श्री भारती का तमिल साहित्य में अग्रणी स्थान रहा है । उनका साहित्य, ज्ञान एवं अनुभूति के भंडार से समृद्ध है । उसमें जीवन-दर्शन और देशभक्ति की ज्वाला है । दो दशकों तक उनकी लेखनी देश के प्रति एक भावना, राष्ट्रीय परिस्थितियों जाति विहीनता, गरीबी उन्मूलन, श्रम के प्रति आदर आदि विषयों पर निरन्तर चलती रही, दक्षिण भारत में वे महिला मुक्ति के प्रथम प्रवर्त्तकों में से थे । वे ऊंच-नीच के विचारों को तिलांजलि दे चुके थे । वे यथार्थवादी थे । वे आस्तिक होते हुए परम्परावादी एवं संकीर्ण विचारों से ऊपर उठे हुए थे । उन्होंने अपनी कविताओं में गुरू गोविन्द सिंह, महात्मा गांधी, लाला लाजपत राय